प्रथम सत्र
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 1 (2021–22)
हिन्दी – अ (कोड – 002)
कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक साँस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्परिक युद्धों से जर्जर होता रहा। यहाँ के अनेक शासक अपने शासन कौशल में धूर्त एवं असावधान थे। समय–समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे, जिससे सहस्रों व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जन्मजात असमानता धर्मसंगत मानी गई, जिसके फलस्वरूप तथाकथित नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया। इन सबके होते हुए भी हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय संबंध नहीं रहे थे। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही, जितनी भारत में और न ही 'अर्थशास्त्र' के समान किसी प्राचीन न्याय ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्चादर्शों की घोषणा भी नहीं की। प्राचीन भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं है, जिसमें नगर के नगर तलवार के घाट उतारे गए हों अथवा शांतिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता, जिसमें वे अपने बंदियों की खालें खिंचवा लेते थे, प्राचीन भारत में पूर्णतः अप्राप्य हैं। निःसंदेह कहीं–कहीं क्रूरता एवं कठोरतापूर्ण व्यवहार था परंतु अन्य प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा यह नगण्य था। हमारे लिए भारतीय सभ्यता की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता उसकी मानवीयता है।

i. एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी भारतीय इतिहास की क्या विशेषता रही है?
(क) उन्नति की राह पर आगे बढ़ना
(ख) अन्य संस्कृतियों को अपनाना
(ग) पारस्परिक युद्धों से जर्जर होना
(घ) प्रगति न कर पाना

ii. जन्मजात असमानता को धर्मसंगत मानने से नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन क्या हो गया?
(क) शापमुक्त हो गया
(ख) अभिशाप बन गया
(ग) सँवर गया
(घ) श्रेष्ठतम बन गया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. 'अर्थशास्त्र' क्या है?

(क) प्राचीन धर्मग्रंथ

(ख) मानवीय अधिकारों की एक पुस्तक

(ग) मानवीय अधिकारों का प्राचीन न्याय ग्रंथ

(घ) मानवीय अधिकारों का प्रामाणिक अभिलेख

iv. भारत में क्या अप्राप्य था?

(क) बादशाहों की युद्ध प्रियता के प्रमाण

(ख) बादशाहों की क्रूरता और बंदियों के प्रति उनके अत्याचारों के प्रमाण

(ग) बादशाहों के स्मारक

(घ) बादशाहों की लोगों के प्रति संवेदनहीनता

v. प्राचीन भारतीय सभ्यता में क्रूरता एवं कठोरता का व्यवहार किस रूप में मिलता है?

(क) अन्य समकालीन सभ्यताओं के समान

(ख) यूरोप के समान

(ग) प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा नगण्य

(घ) भीषण क्रूरता एवं कठोरता का व्यवहार होता था

अथवा

मानव को मानव के रूप में सम्मानित करके ही हम जातीयता, क्षुद्र राष्ट्रीयता और अंतराष्ट्रीयता के भेद को तोड़ सकते हैं। आज मानव, मानव से दूर हटता जा रहा है। वह भूल चुका है कि देश, धर्म और जाति के भिन्न होते हुए भी हम सर्वप्रथम मानव हैं और समान हैं तथा सभी की भावनाएँ तथा लक्ष्य एक ही हैं। आज धर्म, देश, सत्ता, धन आदि का भेद होने से मानव दूसरे मानव को मानव ही नहीं मानता है। कभी–कभी स्वधर्मी विधर्मी को, स्वदेशी विदेशी को, अफसर चपरासी को, धनिक निर्धन को तथा विद्वान निरक्षक को इंसान ही नहीं समझता है और यह भूल जाता है कि दूसरे को भी इच्छा, भूख, प्यास समान रूप से सताते हैं तथा उसे भी प्रेम और आदर चाहिए। वह भूल जाता है कि दूसरे में भी स्वाभिमान का पुट है, उसे भी विश्राम की आवश्यकता है और उसे भी अपने बच्चे प्रिय हैं अथवा वह भी अपनी संतान के लिए कुछ करना चाहता है।

सत्ताधारी मनुष्य दूसरों को कुचलकर सुख सुविधाओं पर एकाधिकार कर लेना चाहता है, लेकिन एक आकाश के नीचे रहने वाले इंसान तो सब एक हैं, भले ही कोई कुदाल लेकर श्रमिक का कार्य करता हो, कोई कलम लेकर दफ्तर का; किंतु लक्ष्य एक है–समाज का अभ्युदय। कार्य–भेद होते हुए भी सब इंसानी बिरादरी के एक–से हकदार हैं। सब भाई–भाई ही तो हैं, सब ही अपने अपने स्थान पर विशेष हैं। मानव का नाता ही श्रेष्ठ नाता है। 'नौकर' कहकर पुकारना मानो मानव का अपमान है। 'सहयोगी', 'सहायक' अथवा सस्नेह उसका नाम लेकर संबोधन करना मधुर है।

i. मानव को मानव के रूप में सम्मानित करना क्यों आवश्यक है?

(क) भेदभाव को तोड़ने के लिए

(ख) भेद को जगाने के लिए

(ग) भेद को स्पष्ट करने के लिए

(घ) भेद को बढ़ाने के लिए

ii. मानव क्या भूल चुका है?

(क) मानव जीवन सभी के लिए समान है

(ख) धर्म, देश और जाति के भिन्न–भिन्न होने के कारण सभी असमान हैं

(ग) धर्म, देश और जाति के भिन्न–भिन्न होने पर भी सभी सर्वप्रथम मानव हैं

(घ) मानव जीवन सर्वश्रेष्ठ है

iii. सत्ताधारी मनुष्य क्या चाहता है?

(क) समाज का अभ्युदय

(ख) सत्ता पर एकाधिकार

(ग) सहयोगियों पर एकाधिकार

(घ) सुख–सुविधाओं पर एकाधिकार

iv. आकाश के नीचे रहने वाले सभी इंसानों का क्या लक्ष्य है?

(क) कार्य करते हुए समाज का अभ्युदय

(ख) कार्य करते हुए एक–दूसरे का कल्याण

(ग) कार्य करते हुए जीविकोपार्जन

(घ) कार्य करते हुए समाज का उद्धार

v. सहयोगी को क्या कहकर पुकारने से उसका अपमान होता है?

(क) मानव (ख) सहयोगी

(ग) नौकर (घ) उसका नाम लेने पर

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
नदियाँ, पर्वत हवा, पेड़ से आती है बहार।
बचपन, कोमल तन–मन लेकर,
आए अनुपम जीवन लेकर,
जग से तुम और तुमसे है ये प्यारा संसार,
हरा भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
वृंद–लताएँ, पौधे, डाली

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चारों ओर भरे हरियाली
मन में जगे उमंग यही है सृष्टि का उपहार,
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
मुश्किल से मिलता है जीवन,
हम सब इसे बनाएँ चंदन
पर्यावरण सुरखित न हो तो है सब बेकार
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार

i. 'हरा–भरा जीवन' का अर्थ है–
(क) पेड़–पौधे से घिरा जीवन
(ख हरे रंगों से भरा जीवन
(ग) हरियाली–युक्त जीवन
(घ) खुशियों से परिपूर्ण जीवन

ii. कौन–सी चीजें बहार लेकर आती है?
(क) नदियों की आवाज़
(ख पहाड़ो की चोटियाँ
(ग) समस्त प्राकृतिक उपादान
(घ) पेड़ों की हवा

iii. कवि ने सृष्टि का उपहार किसे कहा है?
(क) वृंद–लताएँ
(ख हरा–भरा
(ग) प्राकृतिक सुदंरता और उससे उत्पन्न होने वाली खुशी
(घ) पौधे व डालियाँ

iv. कवि यह संदेश देना चाहता है कि–
(क) जीवन में सब बेकार है
(ख) पर्यावरण–संरक्षण में ही जीवन संभव है
(ग) प्रकृति में पेड़–पौधें, नदियाँ, पर्वत शामिल हैं
(घ) चंदन के पेड़ लगाने चाहिए

v. 'जग से तुम और तुम से है प्यारा संसार' पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि–
(क) व्यक्ति और संसार .... दोनों का अस्तित्व एक–दूसरे पर निर्भर करता है
(ख संसार चलाने के लिए व्यक्तियों की आवश्यकता होती है
(ग) व्यक्ति का अस्तित्व संसार से स्वतंत्र है
(घ) संसार का अस्तित्व व्यक्तियों से स्वतंत्र है

अथवा

प्लास्टिक सर्जरी के कुछ जमा थे विद्वान
और चला रहे थे अपनी ज़बान
पहला बोला–
कि मैंने एक लँगड़ी को टाँग लगाई थी
इस वर्ष ओलंपिक दौड़ में
वही पहली आई थी;
दूसरा बोला कि–
परसों ही मैंने एक लूले को
लगाया है नया हाथ
और कल ही बॉक्सिंग में
दारा सिंह को
उसने दी है करारी मात;
तीसरा बोला–
कि तब से बहुत हूँ परेशान
जब से मैंने एक भेड़िये के ओंठों पर चिपकाई है आदमी की मुस्कान
वह हाथ जोड़े घर–घर में जा रहा है
और अगले चुनाव के लिए
अपना वोट पटा रहा है!

i. पहले सर्जन ने क्या कारनामा कर दिखाया था?
(क) एक लँगड़ी को टाँग लगाई जो ओलंपिक में प्रथम आई
(ख) एक लूले को हाथ लगाया जिसने बॉक्सिंग में दारा सिंह को हराया
(ग) भेड़िये के ओठों पर आदमी की मुस्कान चिपकाई
(घ) उपरोक्त सभी

ii. कवि ने किस प्रकार के आदमी को भेड़िया कहा है?
(क) शिक्षाविद् को
(ख) धर्मवेत्ता को
(ग) राजनेता को
(घ) दोहरे आचरण वाले व्यक्ति को

iii. दूसरे सर्जन ने क्या कमाल कर दिखाया?
(क) ओलंपिक में पदक जीता
(ख) दारा सिंह को करारी मात दी
(ग) चुनाव में जीत हासिल की
(घ) उपरोक्त सभी

iv. कविता की अंतिम पंक्तियों में किस पर व्यंग्य किया है?
(क) खिलाड़ियों पर
(ख) सर्जरी के विशेषज्ञों पर
(ग) राजनेताओं पर
(घ) देश की व्यवस्था पर

v. तीसरे सर्जन की परेशानी का कारण कौन है?
(क) अभिनेता
(ख) नेता
(ग) भेड़िया
(घ) उपरोक्त में कोई नहीं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड—ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. वाक्य के अंग होते हैं—
(क) उद्देश्य एवं क्रिया
(ख) उद्देश्य एवं विधेय
(ग) उद्देश्य, कर्ता एवं विधेय
(घ) उद्देश्य, कर्ता, विधेय एवं क्रिया

ii. वह घर गया और पुस्तक ले आया। रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(क) संयुक्त वाक्य (ख) सरल वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

iii. निम्न में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए—
(क) उसने खाना खाया और सो गया
(ख) वह खाना खाकर सो गया
(ग) उसने अभी तक अपना कार्य पूरा नहीं किया है
(घ) अच्छा! तो आप भी सिगरेट पीते हैं

iv. "देर मत करो, वरना गाड़ी छूट जाएगी।" संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए—
(क) देर करोगे और गाड़ी छूटेगी।
(ख) गाड़ी छूटेगी इसलिए देर मत करो।
(ग) देर करने पर गाड़ी छूट जायेगी।
(घ) देर करने के कारण गाड़ी छूट जाती है।

v. क्रिया—विशेषण उपवाक्य का उदाहरण है—
(क) मैंने उस स्थान को देखा है जहाँ पर भगतसिंह पैदा हुए थे।
(ख) उसकी मेरी मदद करना मेरे लिए घातक सिद्ध हुआ।
(ग) तुम बीमार पड़ गए क्योंकि तुम कसरत नहीं करते थे।
(घ) रमेश दूध पीकर स्कूल चला गया।

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. वाच्य है—
(क) क्रिया का एक रूप
(ख) संज्ञा का एक रूप
(ग) विशेषण का एक रूप
(घ) सर्वनाम का एक रूप

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाले वाक्य छाँटिए—
(क) मुझसे खिलौना नहीं टूटा।
(ख) सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र को बलिदान और त्याग का संदेश दिया।
(ग) हमसे इतने काम नहीं किए जाएँगे।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

iii. निम्नलिखित वाक्य का वाच्य बताइए—
गाँधी जी ने विश्व को शांति का संदेश दिया।
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

iv. मज़दूर मकान बनाता है। इस वाक्य का कर्मवाच्य होगा—
(क) मज़दूर द्वारा मकान बनाया जाता है।
(ख) मज़दूर से मकान बनता है।
(ग) मकान मज़दूर बनाता है।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

v. मैं यह बोझ नहीं उठा सकता। इस वाक्य का भाववाच्य होगा।
(क) बोझ मैं नहीं उठा सकता।
(ख) मुझसे यह बोझ नहीं उठाया जाता।
(ग) मैं बोझ उठा सकता हूँ।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. मज़दूर फावड़े से जमीन खोदता है। रेखांकित पद का सही पद—परिचय है—
(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक
(ख) वस्तुवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग
(ग) जातिवचाक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग
(घ) अन्य वाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग

ii. निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित पद का सही पद—परिचय है—
रचना दसवीं में पढ़ती है।
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
शाम बहुत <u>मधुर</u> गाता है।
(क) विशेषण (ख) संज्ञा
(ग) क्रियाविशेषण (घ) क्रिया

iv. उसने <u>अच्छा</u> गाया। रेखांकित पद है–
(क) संज्ञा (ख) विशेषण
(ग) क्रियाविशेषण (घ) विस्मयादिबोधक

v. कुछ लोग <u>बहुत</u> आलसी होते हैं? इस वाक्य के रेखांकित पद का पद–परिचय है–
(क) परिमाणवाचक विशेषण
(ख) संख्यावाचक विशेषण
(ग) संख्यावाचक प्रविशेषण
(घ) परिमाणवाचक प्रविशेषण

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. स्थायी भाव कहते हैं?
(क) रस को
(ख) रस मूल को
(ग) प्रधान भाव को
(घ) रस के कारण को

ii. मन रे तन कागद का पुतला।
लागै बूँद विनसि जाय छिन में गरब करै क्यों इतना।।
पंक्तियों में कौन–सा रस है?
(क) भक्ति रस (ख) संयोग रस
(ग) करुण रस (घ) शान्त रस

iii. मैं तो गिरधर के संग जाऊं।
गिरधर मेरो सांचो प्रीतम देखत रूप लुभाऊं।।
पंक्तियों में कौन–सा रस है?
(क) भक्ति रस (ख) करुण रस
(ग) अद्‌भुत रस (घ) श्रृंगार रस

iv. यदि राम के मन में सीता के प्रति रति का भाव जगता है, तो यहाँ विषय कौन कहलाएगा?
(क) सीता (ख) राम
(ग) सीता का मन (घ) राम की चेष्टाएँ

v. माधुर्य गुण किस रस में प्रयुक्त होता है?
(क) हास्य (ख) करुण
(ग) श्रृंगार (घ) रौद्र

खण्ड–ग

पाठ्‌य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुस्कान फैल गई। वाह भाई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल! जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग–रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतुक और बढ़ा। वाह भई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।

i. संगमरमर की मूर्ति पर लगा चश्मा था–
(क) नकली (ख) असली
(ग) पत्थर का (घ) टूटा हुआ

ii. हालदार साहब पान खानें कहाँ रूके?
(क) गली में (ख) बीच सड़क पर
(ग) चौराहे पर (घ) घर में

iii. गद्यांश में हालदार साहब ने किसका प्रयास सराहनीय बताया?
(क) पान वाले का (ख) मूर्तिकार का
(ग) कस्बे के नागरिको का (घ) स्वयं का

iv. हालदार साहब को दूसरी बार मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया?
(क) कपड़ो का (ख) चश्मे का
(ग) टोपी का (घ) रंग का

v. प्रस्तुत गद्यांश में मूर्ति देखकर हालदार साहब ने किस भाव की अनुभूति की?
(क) नेताओ के अपमान की
(ख) देश के अपमान की
(ग) देशभक्ति की
(घ) शहीदो के प्रति संवेदनहीनता की

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 2 = 2$

i. तेरी गठरी में लागा चोर 'मुसाफिर जाग ज़रा!' इस पंक्ति में मुसाफिर किसे कहा गया है?

(क) यात्री को (ख) मनुष्य को

(ग) पथिक को (घ) बालक को

ii. कातिक मास आने पर बालगोबिन भगत क्या करने लगते थे?

(क) प्रभातफेरी शुरू करने लगते

(ख) गंगा–स्नान करने लगते

(ग) भजन करने लगते

(घ) सत्संग करने लगते

9. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी।
सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

i. काव्यांश में गोपियों का किसके प्रति प्रेम प्रकट किया गया है?

(क) कृष्ण के प्रति

(ख) ब्रज के प्रति

(ग) उद्धव के प्रति

(घ) चींटियों के प्रति

ii. काव्यांश में अति बड़भागी किसे कहा गया है?

(क) कृष्ण को (ख) गोपियो को

(ग) उद्धव को (घ) ये सभी

iii. गोपियों ने उद्धव को किसके समान नहीं बताया है?

(क) कमल के पत्ते समान (ख) तेल की मटकी समान

(ग) चींटियों के समान (घ) उपर्युक्त सभी

iv. गोपियों ने उद्धव को किससे अपरिचित बताया है?

(क) स्वयं से (ख) प्रेम से

(ग) कृष्ण से (घ) गोपियों से

v. गोपियों ने किसे अबला और भोली कहा है?

(क) कृष्ण की पत्नी को (ख) स्वयं को

(ग) ब्रज की धरा को (घ) राधा को

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 2 = 2$

i. कुम्हड़वतिया किस को देखकर मुरझाती हैं?

(क) कुठारु (ख) धूप

(ग) हवा (घ) तरजनी

ii. लक्ष्मण ने ऋण चुकाने के लिए परशुराम से किसे बुलाने के लिए कहा?

(क) किसी मध्यस्थ को

(ख) हिसाब–किताब के जानकार को

(ग) अपने गुरु को

(घ) राज दरबारियों को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 1 (2021–22)

हिन्दी – अ (कोड – 002)

कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक साँस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्परिक युद्धों से जर्जर होता रहा। यहाँ के अनेक शासक अपने शासन कौशल में धूर्त एवं असावधान थे। समय–समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे, जिससे सहस्रों व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जन्मजात असमानता धर्मसंगत मानी गई, जिसके फलस्वरूप तथाकथित नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया। इन सबके होते हुए भी हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय संबंध नहीं रहे थे। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही, जितनी भारत में और न ही 'अर्थशास्त्र' के समान किसी प्राचीन न्याय ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्चादर्शों की घोषणा भी नहीं की। प्राचीन भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं है, जिसमें नगर के नगर तलवार के घाट उतारे गए हों अथवा शांतिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता, जिसमें वे अपने बंदियों की खालें खिंचवा लेते थे, प्राचीन भारत में पूर्णतः अप्राप्य हैं। निःसंदेह कहीं–कहीं क्रूरता एवं कठोरतापूर्ण व्यवहार था परंतु अन्य प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा यह नगण्य था। हमारे लिए भारतीय सभ्यता की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता उसकी मानवीयता है।

i. एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी भारतीय इतिहास की क्या विशेषता रही है?

(क) उन्नति की राह पर आगे बढ़ना

(ख) अन्य संस्कृतियों को अपनाना

(ग) पारस्परिक युद्धों से जर्जर होना

(घ) प्रगति न कर पाना

उत्तर : (ग) पारस्परिक युद्धों से जर्जर होना

ii. जन्मजात असमानता को धर्मसंगत मानने से नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन क्या हो गया?

(क) शापमुक्त हो गया

(ख) अभिशाप बन गया

(ग) सँवर गया

(घ) श्रेष्ठतम बन गया

उत्तर : (ख) अभिशाप बन गया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. 'अर्थशास्त्र' क्या है?

(क) प्राचीन धर्मग्रंथ

(ख) मानवीय अधिकारों की एक पुस्तक

(ग) मानवीय अधिकारों का प्राचीन न्याय ग्रंथ

(घ) मानवीय अधिकारों का प्रामाणिक अभिलेख

उत्तर : (ग) मानवीय अधिकारों का प्राचीन न्याय ग्रंथ

iv. भारत में क्या अप्राप्य था?

(क) बादशाहों की युद्ध प्रियता के प्रमाण

(ख) बादशाहों की क्रूरता और बंदियों के प्रति उनके अत्याचारों के प्रमाण

(ग) बादशाहों के स्मारक

(घ) बादशाहों की लोगों के प्रति संवेदनहीनता

उत्तर : (ख) बादशाहों की क्रूरता और बंदियों के प्रति उनके अत्याचारों के प्रमाण

v. प्राचीन भारतीय सभ्यता में क्रूरता एवं कठोरता का व्यवहार किस रूप में मिलता है?

(क) अन्य समकालीन सभ्यताओं के समान

(ख) यूरोप के समान

(ग) प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा नगण्य

(घ) भीषण क्रूरता एवं कठोरता का व्यवहार होता था

उत्तर : (ग) प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा नगण्य

अथवा

मानव को मानव के रूप में सम्मानित करके ही हम जातीयता, क्षुद्र राष्ट्रीयता और अंतराष्ट्रीयता के भेद को तोड़ सकते हैं। आज मानव, मानव से दूर हटता जा रहा है। वह भूल चुका है कि देश, धर्म और जाति के भिन्न होते हुए भी हम सर्वप्रथम मानव हैं और समान हैं तथा सभी की भावनाएँ तथा लक्ष्य एक ही हैं। आज धर्म, देश, सत्ता, धन आदि का भेद होने से मानव दूसरे मानव को मानव ही नहीं मानता है। कभी–कभी स्वधर्मी विधर्मी को, स्वदेशी विदेशी को, अफसर चपरासी को, ध ानिक निर्धन को तथा विद्वान निरक्षक को इंसान ही नहीं समझता है और यह भूल जाता है कि दूसरे को भी इच्छा, भूख, प्यास समान रूप से सताते हैं तथा उसे भी प्रेम और आदर चाहिए। वह भूल जाता है कि दूसरे में भी स्वाभिमान का पुट है, उसे भी विश्राम की आवश्यकता है और उसे भी अपने बच्चे प्रिय हैं अथवा वह भी अपनी संतान के लिए कुछ करना चाहता है।

सत्ताधारी मनुष्य दूसरों को कुचलकर सुख सुविधाओं पर एकाधिकार कर लेना चाहता है, लेकिन एक आकाश के नीचे रहने वाले इंसान तो सब एक हैं, भले ही कोई कुदाल लेकर श्रमिक का कार्य करता हो, कोई कलम लेकर दफ्तर का; किंतु लक्ष्य एक है–समाज का अभ्युदय। कार्य–भेद होते हुए भी सब इंसानी बिरादरी के एक–से हकदार हैं। सब भाई–भाई ही तो हैं, सब ही अपने अपने स्थान पर विशेष हैं। मानव का नाता ही श्रेष्ठ नाता है। 'नौकर' कहकर पुकारना मानो मानव का अपमान है। 'सहयोगी', 'सहायक' अथवा सस्नेह उसका नाम लेकर संबोधन करना मधुर है।

i. मानव को मानव के रूप में सम्मानित करना क्यों आवश्यक है?

(क) भेदभाव को तोड़ने के लिए

(ख) भेद को जगाने के लिए

(ग) भेद को स्पष्ट करने के लिए

(घ) भेद को बढ़ाने के लिए

उत्तर : (क) भेदभाव को तोड़ने के लिए

ii. मानव क्या भूल चुका है?

(क) मानव जीवन सभी के लिए समान है

(ख) धर्म, देश और जाति के भिन्न–भिन्न होने के कारण सभी असमान हैं

(ग) धर्म, देश और जाति के भिन्न–भिन्न होने पर भी सभी सर्वप्रथम मानव हैं

(घ) मानव जीवन सर्वश्रेष्ठ है

उत्तर : (ग) धर्म, देश और जाति के भिन्न–भिन्न होने पर भी सभी सर्वप्रथम मानव हैं

iii. सत्ताधारी मनुष्य क्या चाहता है?

(क) समाज का अभ्युदय

(ख) सत्ता पर एकाधिकार

(ग) सहयोगियों पर एकाधिकार

(घ) सुख–सुविधाओं पर एकाधिकार

उत्तर : (घ) सुख–सुविधाओं पर एकाधिकार

iv. आकाश के नीचे रहने वाले सभी इंसानों का क्या लक्ष्य है?

(क) कार्य करते हुए समाज का अभ्युदय

(ख) कार्य करते हुए एक–दूसरे का कल्याण

(ग) कार्य करते हुए जीविकोपार्जन

(घ) कार्य करते हुए समाज का उद्धार

उत्तर : (क) कार्य करते हुए समाज का अभ्युदय

v. सहयोगी को क्या कहकर पुकारने से उसका अपमान होता है?

(क) मानव (ख) सहयोगी

(ग) नौकर (घ) उसका नाम लेने पर

उत्तर : (ग) नौकर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. **नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$**

हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
नदियाँ, पर्वत हवा, पेड़ से आती है बहार।
बचपन, कोमल तन–मन लेकर,
आए अनुपम जीवन लेकर,
जग से तुम और तुमसे है ये प्यारा संसार,
हरा भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
वृंद–लताएँ, पौधे, डाली
चारों ओर भरे हरियाली
मन में जगे उमंग यही है सृष्टि का उपहार,
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार,
मुश्किल से मिलता है जीवन,
हम सब इसे बनाएँ चंदन
पर्यावरण सुरखित न हो तो है सब बेकार
हरा–भरा हो जीवन अपना स्वस्थ रहे संसार

i. 'हरा–भरा जीवन' का अर्थ है–
(क) पेड़–पौधे से धिरा जीवन
(ख हरे रंगों से भरा जीवन
(ग) हरियाली–युक्त जीवन
(घ) खुशियों से परिपूर्ण जीवन
उत्तर : (घ) खुशियों से परिपूर्ण जीवन

ii. कौन–सी चीजें बहार लेकर आती है?
(क) नदियों की आवाज़
(ख पहाड़ो की चोटियाँ
(ग) समस्त प्राकृतिक उपादान
(घ) पेड़ों की हवा
उत्तर : (ग) समस्त प्राकृतिक उपादान

iii. कवि ने सृष्टि का उपहार किसे कहा है?
(क) वृंद–लताएँ
(ख हरा–भरा
(ग) प्राकृतिक सुदंरता और उससे उत्पन्न होने वाली खुशी
(घ) पौधे व डालियाँ
उत्तर : (ग) प्राकृतिक सुदंरता और उससे उत्पन्न होने वाली खुशी

iv. कवि यह संदेश देना चाहता है कि–
(क) जीवन में सब बेकार है
(ख) पर्यावरण–संरक्षण में ही जीवन संभव है
(ग) प्रकृति में पेड़–पौधें, नदियाँ, पर्वत शामिल हैं
(घ) चंदन के पेड़ लगाने चाहिए
उत्तर : (ख) पर्यावरण–संरक्षण में ही जीवन संभव है

v. 'जग से तुम और तुम से है प्यारा संसार' पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि–
(क) व्यक्ति और संसार .... दोनों का अस्तित्व एक–दूसरे पर निर्भर करता है
(ख संसार चलाने के लिए व्यक्तियों की आवश्यकता होती है
(ग) व्यक्ति का अस्तित्व संसार से स्वतंत्र है
(घ) संसार का अस्तित्व व्यक्तियों से स्वतंत्र है
उत्तर : (क) व्यक्ति और संसार इन दोनों का अस्तित्व एक–दूसरे पर निर्भर करता है

अथवा

प्लास्टिक सर्जरी के कुछ जमा थे विद्वान
और चला रहे थे अपनी ज़बान
पहला बोला–
कि मैंने एक लँगड़ी को टाँग लगाई थी
इस वर्ष ओलंपिक दौड़ में
वही पहली आई थी;
दूसरा बोला कि–
परसों ही मैंने एक लूले को
लगाया है नया हाथ
और कल ही बॉक्सिंग में
दारा सिंह को
उसने दी है करारी मात;
तीसरा बोला–
कि तब से बहुत हूँ परेशान
जब से मैंने एक भेड़िये के ओंठों पर चिपकाई है आदमी की मुस्कान
वह हाथ जोड़े घर–घर में जा रहा है
और अगले चुनाव के लिए
अपना वोट पटा रहा है!

i. पहले सर्जन ने क्या कारनामा कर दिखाया था?
(क) एक लँगड़ी को टाँग लगाई जो ओलंपिक में प्रथम आई
(ख) एक लूले को हाथ लगाया जिसने बॉक्सिंग में दारा सिंह को हराया
(ग) भेड़िये के ओठों पर आदमी की मुस्कान चिपकाई
(घ) उपरोक्त सभी
उत्तर : (क) एक लँगड़ी को टाँग लगाई जो ओलंपिक में प्रथम आई

ii. कवि ने किस प्रकार के आदमी को भेड़िया कहा है?
(क) शिक्षाविद् को
(ख) धर्मवेत्ता को
(ग) राजनेता को
(घ) दोहरे आचरण वाले व्यक्ति को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : (ग) राजनेता को

iii. दूसरे सर्ज़न ने क्या कमाल कर दिखाया?

(क) ओलंपिक में पदक जीता

(ख) दारा सिंह को करारी मात दी

(ग) चुनाव में जीत हासिल की

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर : (ख) दारा सिंह को करारी मात दी

iv. कविता की अंतिम पंक्तियों में किस पर व्यंग्य किया है?

(क) खिलाड़ियों पर

(ख) सर्जरी के विशेषज्ञों पर

(ग) राजनेताओं पर

(घ) देश की व्यवस्था पर

उत्तर : (ग) राजनेताओं पर

v. तीसरे सर्जन की परेशानी का कारण कौन है?

(क) अभिनेता

(ख) नेता

(ग) भेड़िया

(घ) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर : (ख) नेता

खण्ड–ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. वाक्य के अंग होते हैं–

(क) उद्देश्य एवं क्रिया

(ख) उद्देश्य एवं विधेय

(ग) उद्देश्य, कर्ता एवं विधेय

(घ) उद्देश्य, कर्ता, विधेय एवं क्रिया

उत्तर : (ख) उद्देश्य एवं विधेय

ii. वह घर गया और पुस्तक ले आया। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(क) संयुक्त वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) संयुक्त वाक्य

iii. निम्न में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए–

(क) उसने खाना खाया और सो गया

(ख) वह खाना खाकर सो गया

(ग) उसने अभी तक अपना कार्य पूरा नहीं किया है

(घ) अच्छा! तो आप भी सिगरेट पीते हैं

उत्तर : (क) उसने खाना खाया और सो गया

iv. "देर मत करो, वरना गाड़ी छूट जाएगी।" संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए–

(क) देर करोगे और गाड़ी छूटेगी।

(ख) गाड़ी छूटेगी इसलिए देर मत करो।

(ग) देर करने पर गाड़ी छूट जायेगी।

(घ) देर करने के कारण गाड़ी छूट जाती है।

उत्तर : (ग) देर करने पर गाड़ी छूट जायेगी।

v. क्रिया–विशेषण उपवाक्य का उदाहरण है–

(क) मैंने उस स्थान को देखा है जहाँ पर भगतसिंह पैदा हुए थे।

(ख) उसकी मेरी मदद करना मेरे लिए घातक सिद्ध हुआ।

(ग) तुम बीमार पड़ गए क्योंकि तुम कसरत नहीं करते थे।

(घ) रमेश दूध पीकर स्कूल चला गया।

उत्तर : (ग) तुम बीमार पड़ गए क्योंकि तुम कसरत नहीं करते थे।

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. वाच्य है–

(क) क्रिया का एक रूप (ख) संज्ञा का एक रूप

(ग) विशेषण का एक रूप (घ) सर्वनाम का एक रूप

उत्तर : (क) क्रिया का एक रूप

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाले वाक्य छाँटिए–

(क) मुझसे खिलौना नहीं टूटा।

(ख) सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र को बलिदान और त्याग का संदेश दिया।

(ग) हमसे इतने काम नहीं किए जाएँगे।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर : (ख) सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र को बलिदान और त्याग का संदेश दिया।

iii. निम्नलिखित वाक्य का वाच्य बताइए–

गाँधी जी ने विश्व को शांति का संदेश दिया।

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) कर्तृवाच्य

iv. मज़दूर मकान बनाता है। इस वाक्य का कर्मवाच्य होगा–

(क) मज़दूर द्वारा मकान बनाया जाता है।

(ख) मज़दूर से मकान बनता है।

(ग) मकान मज़दूर बनाता है।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : (क) मज़दूर द्वारा मकान बनाया जाता है।

v. मैं यह बोझ नहीं उठा सकता। इस वाक्य का भाववाच्य होगा।
(क) बोझ मैं नहीं उठा सकता।
(ख) मुझसे यह बोझ नहीं उठाया जाता।
(ग) मैं बोझ उठा सकता हूँ।
(घ) इनमें से कोई नहीं।
उत्तर : (ख) मुझसे यह बोझ नहीं उठाया जाता।

5. **निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** $1 \times 4 = 4$

i. मज़दूर फावड़े से जमीन खोदता है। रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, करण कारक
(ख) वस्तुवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग
(ग) जातिवचाक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग
(घ) अन्य वाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग
उत्तर : (क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, करण कारक

ii. निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
रचना दसवीं में पढ़ती है।
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।
उत्तर : (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

iii. निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित पद का सही पद–परिचय है–
शाम बहुत मधुर गाता है।
(क) विशेषण (ख) संज्ञा
(ग) क्रियाविशेषण (घ) क्रिया
उत्तर : (ग) क्रियाविशेषण

iv. उसने अच्छा गाया। रेखांकित पद है–
(क) संज्ञा (ख) विशेषण
(ग) क्रियाविशेषण (घ) विस्मयादिबोधक
उत्तर : (ग) क्रियाविशेषण

v. कुछ लोग बहुत आलसी होते हैं? इस वाक्य के रेखांकित पद का पद–परिचय है–
(क) परिमाणवाचक विशेषण (ख) संख्यावाचक विशेषण
(ग) संख्यावाचक प्रविशेषण (घ) परिमाणवाचक प्रविशेषण
उत्तर : (घ) परिमाणवाचक प्रविशेषण

6. **निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** $1 \times 4 = 4$

i. स्थायी भाव कहते हैं?
(क) रस को (ख) रस मूल को
(ग) प्रधान भाव को (घ) रस के कारण को
उत्तर : (ग) प्रधान भाव को

ii. मन रे तन कागद का पुतला।
लागै बूँद विनसि जाय छिन में गरब करै क्यों इतना।।
पंक्तियों में कौन–सा रस है?
(क) भक्ति रस (ख) संयोग रस
(ग) करुण रस (घ) शान्त रस
उत्तर : (घ) शान्त रस

iii. मैं तो गिरधर के संग जाऊं।
गिरधर मेरो सांचो प्रीतम देखत रूप लुभाऊं।।
पंक्तियों में कौन–सा रस है?
(क) भक्ति रस (ख) करुण रस
(ग) अद्‌भुत रस (घ) श्रृंगार रस
उत्तर : (घ) श्रृंगार रस

iv. यदि राम के मन में सीता के प्रति रति का भाव जगता है, तो यहाँ विषय कौन कहलाएगा?
(क) सीता (ख) राम
(ग) सीता का मन (घ) राम की चेष्टाएँ
उत्तर : (क) सीता

v. माधुर्य गुण किस रस में प्रयुक्त होता है?
(क) हास्य (ख) करुण
(ग) श्रृंगार (घ) रौद्र
उत्तर : (ग) श्रृंगार

खण्ड–ग

पाठ्‌य पुस्तक 14

7. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुस्कान फैल गई। वाह भाई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल! जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग–रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतुक और बढ़ा। वाह भई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।

i. संगमरमर की मूर्ति पर लगा चश्मा था–

(क) नकली (ख) असली

(ग) पत्थर का (घ) टूटा हुआ

उत्तर : (ख) असली

ii. हालदार साहब पान खानें कहाँ रूके?

(क) गली में (ख) बीच सड़क पर

(ग) चौराहे पर (घ) घर में

उत्तर : (ग) चौराहे पर

iii. हालदार साहब ने किसका प्रयास सराहनीय बताया?

(क) पान वाले का (ख) मूर्तिकार का

(ग) कस्बे के नागरिको का (घ) स्वयं का

उत्तर : (ग) कस्बे के नागरिको का

iv. हालदार साहब को दूसरी बार मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया?

(क) कपड़ो का (ख) चश्मे का

(ग) टोपी का (घ) रंग का

उत्तर : (ख) चश्मे का

v. मूर्ति देखकर हालदार साहब ने किस भाव की अनुभूति की?

(क) नेताओ के अपमान की

(ख) देश के अपमान की

(ग) देशभक्ति की

(घ) शहीदो के प्रति संवेदनहीनता की

उत्तर : (ग) देशभक्ति की

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. तेरी गठरी में लागा चोर 'मुसाफिर जाग ज़रा!' इस पंक्ति में मुसाफिर किसे कहा गया है?

(क) यात्री को (ख) मनुष्य को

(ग) पथिक को (घ) बालक को

उत्तर : (ख) मनुष्य को

ii. कातिक मास आने पर बालगोबिन भगत क्या करने लगते थे?

(क) प्रभातफेरी शुरू करने लगते

(ख) गंगा–स्नान करने लगते

(ग) भजन करने लगते

(घ) सत्संग करने लगते

उत्तर : (क) प्रभातफेरी शुरू करने लगते

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी मैं पाउँ न बोर्‌यौ, दृष्टि न रूप परागी।
सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

i. काव्यांश में गोपियों का किसके प्रति प्रेम प्रकट किया गया है?

(क) कृष्ण के प्रति (ख) ब्रज के प्रति

(ग) उद्धव के प्रति (घ) चींटियों के प्रति

उत्तर : (क) कृष्ण के प्रति

ii. काव्यांश में अति बड़भागी किसे कहा गया है?

(क) कृष्ण को (ख) गोपियो को

(ग) उद्धव को (घ) ये सभी

उत्तर : (ग) उद्धव को

iii. गोपियों ने उद्धव को किसके समान नहीं बताया है?

(क) कमल के पत्ते समान (ख) तेल की मटकी समान

(ग) चींटियों के समान (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (ग) चींटियों के समान

iv. गोपियों ने उद्धव को किससे अपरिचित बताया है?

(क) स्वयं से (ख) प्रेम से

(ग) कृष्ण से (घ) गोपियों से

उत्तर : (ख) प्रेम से

v. गोपियों ने किसे अबला और भोली कहा है?

(क) कृष्ण की पत्नी को (ख) स्वयं को

(ग) ब्रज की धरा को (घ) राधा को

उत्तर : (ख) स्वयं को

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. कुम्हड़वतिया किस को देखकर मुरझाती हैं?

(क) कुठारु (ख) धूप

(ग) हवा (घ) तरजनी

उत्तर : (घ) तरजनी

ii. लक्ष्मण ने ऋण चुकाने के लिए परशुराम से किसे बुलाने के लिए कहा?

(क) किसी मध्यस्थ को

(ख) हिसाब–किताब के जानकार को

(ग) अपने गुरु को

(घ) राज दरबारियों को

उत्तर : (ख) हिसाब–किताब के जानकार को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in